भैरव आरती

सुनो जी भैरव लाडिले,
कर जोड़ कर विनती करूँ।

कृपा तुम्हारी चाहिए,
मैं ध्यान तुम्हारा ही धरूँ।

हिन्दीपथ.कॉम

मैं चरण छूता आपके,
अर्जी मेरी सुन लीजिये।

मैं हूँ मति का मन्द,
मेरी कुछ मदद तो कीजिये।

महिमा तुम्हारी बहुत,
कुछ थोड़ी सी मैं वर्णन करूँ॥
सुनो जी भैरव...

करते सवारी स्वान की,
चारों दिशा में राज्य है।

जितने भूत और प्रेत,
सबके आप ही सरताज हैं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हथियार हैं जो आपके,
उसका क्या वर्णन करूँ॥
सुनो भी भैरव...

माता जी के सामने तुम,
नृत्य भी करते सदा ।

गा गा के गुण अनुवाद से,
उनको रिझाते हो सदा।

एक सांकली है आपकी,
तारीफ उसकी क्या करूँ॥
सुनो जी भैरव...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बहुत सी महिमा तुम्हारी,
मेंहदीपुर सरनाम है।

आते जगत के यात्री,
बजरंग का स्थान है।

श्री प्रेतराज सरकार के,
शीश चरणों में धरूँ॥
सुनो जी भैरव...

निशिदिन तुम्हारे खेल से,
माताजी खुश रहें।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सिर पर तुम्हारे हाथ रखकर,
आशीर्वाद देती रहें।

कर जोड़कर विनीत करूँ,
अरु शीश चरणों में धरूँ॥
सुनो जी भैरव....

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- केदारनाथ की
- श्री भागवत भगवान
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता
- बाबा बालक नाथ की
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम